स्नातकोत्तर कक्षाएं

प्राचीन इतिहास विभाग :-

देवरिया जनपद की पूर्वी सीमा पर स्थित मदन मोहन मालवीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भाटपार रानी, देवरिया का प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग अक्षय यश का भागी है। महामना के स्वप्नों के अनुरूप स्थापित इस महाविद्यालय में प्राचीन इतिहास विभाग की स्नातक कक्षाएं दिनांक 1 जुलाई 1963 ईस्वी से आरंभ हुई। विभाग के योग्य तथा कर्मठ अध्यापकों के अथक परिश्रम के परिणाम स्वरूप सन् 1979 ईस्वी से प्राचीन इतिहास की परास्नातक कक्षाओं का संचालन आरंभ हुआ, जिसका शुभारंभ उत्तर प्रदेश के तत्कालीन शिक्षा सचिव श्री गोपीकृष्ण अरोरा के कर-कमलों से संपन्न हुआ। विभाग के लब्ध प्रतिष्ठित विद्वानों में डॉ. अमरनाथ तिवारी, डॉ. अजय प्रताप शाही, डॉ. बालेश्वर पांडे, डॉ. शशिबाला श्रीवास्तव स्मरण योग्य हैं। वर्तमान में विभाग में डॉ0 दिनेश कुमार शर्मा, श्रीमती राधा तथा डॉ0 सुदीप रंजन के मार्गदर्शन में विभाग अध्ययन अध्यापन के साथ शोध कार्य में भी प्रगति कर रहा है। विभाग के नियंत्रण में डॉ0 राजबली पांडे स्मारक कला एवं पुरातत्व संग्रहालय भी संचालित है। इस संग्रहालय की स्थापना 1969 ईस्वी में महाविद्यालय प्रशासन के प्रयासों के परिणाम स्वरूप हुई थी। संग्रहालय में प्राचीन देव मूर्तियों, मुद्राओं तथा पांडुलिपियों का अनुपम संग्रह है। विभाग के विद्यार्थियों द्वारा समय-समय पर संग्रहालय का भ्रमण किया जाता है, जो उनके विषय की समझ तथा अंतर्दृष्टि को विकसित करने में सहायक है।

Dr. Dinesh Kumar Sharma
Assistant Professor
(Head)

Mrs. Radha
Assistant Professor

Dr. Sudeep Ranjan
Assistant Professor

हिन्दी विभाग -

महाविद्यालय का हिंदी विभाग स्थापना ‘1965’ के बाद से ही महान साहित्यकार भारतेंदु हरिश्चन्द्र की पंक्तियों निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल को केंद्र में रखकर कार्य कर रहा है। हिंदी विभाग के शिक्षकों ने अपनी प्रतिभा शिक्षण कौशल कर्मठता एवं भागीरथ प्रयास से विषय और विभाग को नई ऊंचाईयां दी है। जहां छात्र-छात्राए हिंदी में शिक्षा प्राप्त करने के लिए लालायित हैं। वर्तमान में विभाग में 3 शिक्षक, डॉ0 रणजीत सिंह, डॉ0 अभिमन्यु एवं डॉ0 कनकलता कार्यरत हैं। स्नातकोत्तर स्तर पर अध्ययनरत छात्र प्रतिवर्ष नेट-जेआरएफ एवं अन्य परीक्षाएं उत्तीर्ण कर महाविद्यालय को गौरवान्वित करते हैं। संप्रति 4 शोध छात्र हिंदी विभाग के शिक्षकों के निर्देशन में शोध कार्य कर रहे हैं।

Dr. Ranjeet Singh
Assistant Professor (Head)

Dr. Abhimanu
Assistant Professor

Mrs. Kanak Lata
Assistant Professor

स्नातकोत्तर कक्षाएं

भूगोल विभाग :– महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर मान्यता के समय ही सन 1963 में स्नातक स्तर पर भूगोल का अध्ययन एवं अध्यापन प्रारंभ हो गया। उस समय भूगोल के संस्थापक अध्यक्ष श्री कैलाशपति मिश्र रहे। बाद में डॉ रघुनाथ ओझा एवं डॉ उमेश चंद्र मिश्रा प्रवक्ता भूगोल के पद पर नियुक्त हुए। कालांतर में सन 1980 में शासन द्वारा स्नातकोत्तर स्तर पर भूगोल की मान्यता मिली, साथ ही 3 पदों का सृजन हुआ। इन पदों पर क्रमशः डॉ देवेंद्र प्रताप मिश्र, डॉ हरिराम यादव एवं डॉ राजेंद्र पांडे प्रवक्ता पद पर नियुक्त हुए। भूगोल विषय से स्नातक एवं स्नातकोत्तर के डिग्री प्राप्त कर अनेक विद्यार्थी देश व प्रदेश में अध्यापक, प्रशासनिक अधिकारी और उपनिरीक्षक जैसे पदों पर कार्य कर रहे हैं। स्नातकोत्तर विभाग होने के कारण शोध कार्य पीएचडी की भी सुविधा प्राप्त है। विभाग से एक विद्यार्थी पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर चुका है तथा 9 शोधरत हैं। वर्तमान में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर तीन प्राध्यापक डॉ अजय कुमार सिंह, श्री शिव शंकर प्रजापति तथा श्री जय सिंह कार्यरत हैं।

Dr. Ajay Kumar Singh
Asst. Professor
HOD

Mr. Shiv Shankar
Prajapati
Asst. Professor

Mr. Jay Singh Yadav
Asst. Professor

Dr. DP Mishra
Lab. Assistant

Mr. Prince Kumar
Lab. Assistant

अर्थशास्त्र विभाग :– देवरिया जनपद के पूर्वांचल ग्राम्य क्षेत्र में स्थापित इस महाविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग की स्नातक कक्षाओं का संचालन 1 जुलाई 1963 ईस्वी में आरंभ हुआ। अर्थशास्त्र की परास्नातक कक्षाओं का संचालन 1980 से ही तत्कालीन प्राचार्य श्री राम बड़ाई मिश्र जी के नेतृत्व में किया गया। विभाग के लब्ध प्रतिष्ठ विद्वानों में डॉ. अशोक दीक्षित ,डॉ. चंद्र प्रकाश त्रिपाठी, डॉ. प्रतिमा सिंह व डॉ हेमंत कुमार सिंह स्मरण योग्य हैं। वर्तमान में अर्थशास्त्र विभाग डॉ. पूनम यादव की अध्यक्षता में स्नातक तथा परास्नातक कक्षाओं के साथ–साथ शोध कार्य में भी प्रगति कर रहा है। 2008 तथा 2010 में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल संचालन विभाग द्वारा किया गया जिसमें राष्ट्रीय स्तर के बहुत से विद्वानों की सहभागिता रही। विभाग के कई बच्चों की टीमें राष्ट्रीय स्तर पर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर सफलता भी प्राप्त की हैं। विभाग द्वारा समय–समय पर अतिरिक्त पाठ्यक्रम का संचालन कर विद्यार्थियों की समझ तथा अंतर्दृष्टि को विकसित करने का प्रयास किया जाता रहा है। संप्रति डॉ पूनम यादव की अध्यक्षता में तथा प्राध्यापक श्री प्रवीण कुमार प्रजापति व श्री सौरभ पाल के सहयोग से अर्थशास्त्र विभाग का संचालन किया जा रहा है।

Dr. Poonam Yadav
Assistant Professor
(Head)

Mr. Praveen Prajapati
Assistant Professor

Mr. Saurabh Pal
Assistant Professor

स्नातकोत्तर कक्षाएं

समाजशास्त्र विभाग :- समाजशास्त्र विभाग की विकास यात्रा महाविद्यालय के स्थापना के साथ ही प्रारंभ हुई। जिसके ध्वजवाहक डॉ व्यासमुनि मिश्र रहे। समाजशास्त्र विषय विद्यार्थियों एवं प्रशासनिक परीक्षाओं के लिए अत्यंत लोकप्रिय विषय के रूप में उभरा है। विगत दो दशकों में तकनीक एवं संचार क्रांति ने मानव को डिजिटल बना दिया है। परम्परागत समाज के सामाजिक मूल्यों, प्रतिमानों में व्यापक परिवर्तन हो रहा है जिसके कारण सामाजिक संरचना में विचलन ,तनाव ,विघटन तथा भूमिकाओं में संघर्ष दिख रहा है। ऐसे संक्रमण काल में समाजशास्त्र विषय की उपादेयता और भी बढ़ जाती है जो समाज की समस्याओं का वैज्ञानिक एवं सर्वग्राही समाधान प्रस्तुत कर सके। महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के प्राध्यापक ज्वलंत मुद्दों पर अपना पक्ष रखते हैं एवं विद्यार्थियों को चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं।इसी का परिणाम है कि महाविद्यालय के विद्यार्थियों की एक बड़ी संख्या समाजशास्त्र विषय पढ़ने वाले की है।वर्तमान में विभाग में चार स्थायी प्राध्यापक हैं जो विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ हैं एवं शोधरत हैं। विभाग में सत्र 2023–24 से स्ववित्त पोषित योजना के अंतर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर कक्षाओं का सकुशल संचालन हो रहा है।

Dr. SK Pandey
Assistant Professor
(Head)

Dr. Avanit Singh
Assistant Professor

Mr. Dhramjeet Mishra
Assistant Professor

Mr. Arun Kumar Gupta
Assistant Professor

Department of Botany: The department of Botany came into existence in the Session-77-78. It has its own well-designed building with all infrastructure facilities such as specialized laboratories, rooms, offices and lecture halls for teaching. Some major sophisticated equipment has been procured like spectrophotometer, Incubator, Freeze, centrifuge over Autoclave etc to practice advance technologies of Botany. The department also has a house library capable of meeting requirements of students and researchers. The department has sanctioned faculty strength of two teachers. To assist the faculty and students a lab assistant and two attendants are also present. The annual intake of students has been 300 in B.Sc. first year through entrance examination conducted by D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur. The department organized seminars workshop and tours for the students. The future plans of the department focus upon declared thrust areas particularly Bio technology and microbiology.

Dr. Ram Autar Professor
(Head)

Mr. Aman Tiwari
Assistant Professor

Mr. Yashpal Singh
Lab Assistant

Mr. Saroj Singh
Lab Attendant

Mr. Diwakar Kumar
Lab Attendant